''जनजातीय महिलाओं में उत्प्रवास के कारण आए परिवर्तन – धार जिले के संदर्भ में'

श्रीमती नूतन पंवार

शोधार्थी भूगोल

एमण् जेण् बीण् शाण्कन्या स्नाकोत्तर महाविद्यालय

इंदौर ;मण्प्रण्द्ध

प्रवास भौतिक और सामाजिक लेन–देन की प्रक्रिया है। वर्ष 1990 के उपरांत यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि कई क्षेत्रों में उत्प्रवास वहाँ के गरीब वर्ग की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधर बन गया है और अप्रवाास से आय और ज्ञान का निवेष, कर्ज से उबरने, बच्चों की षिक्षा, उन्नत कृषि और आवास में विकास हुआ है। म. प्र. का धार जिला भी जनजातीय अंचल होने से यहाँ से भी जनजातीय महिलाओं द्वारा निर्माण कार्य एवं कृषि कार्यों हेतु उत्प्रवास किया जाता रहा है।

शोध का उद्देष्य :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देष्य यह पता करना है कि अध्ययन क्षेत्र के आदिवासी अंचल होने से जनजातीय महिलाओं के उत्प्रवास का स्वरूप क्या है? महिला उत्प्रवास से किस प्रकार का रूपांतरण हुआ है और आजीविका परिवर्तन के स्त्रोत के रूप में उत्प्रवास से जनजातीय महिलाओं के जीवन में किस प्रकार सामाजिक परिवर्तन आए हैं?

परिकल्पना :–

प्रस्तुत अध्ययन सामाजिक – आर्थिक रूप सये जनजातीय महिलाओं के उत्प्रवास से संबंधित है। जनजातीय महिलाएँ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से तहसील मुख्यालयों पर रोजगार के लिए उत्प्रवासित होती हैं। उत्प्रवास जनजातीय महिलाओं की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है, जिसे सुनियोजित और लाभप्रद बनाकर सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से प्रयुक्त किया जा सकता है।

विधितंत्र :–

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या में 50% से अधिक जनसंख्या जनजातीय हैं। इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनजातीय महिलाएँ सामाजिक–आर्थिक कारणों से अपना घर छोड़कर गाँवों से तहसील मुख्यालयों की ओर प्रवास करती हैं।

आँकड़ों के स्त्रोत :–

अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही स्त्रोतों से आँकड़ों का संकलन किया गया। प्राथमिक आँकड़े धार जिले की सभी 7 तहसीलों में स्वतः जाकर अवलोकन, प्रष्नावली तथा साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किए गए।

द्वितीयक आँकड़े प्रकाषित एवं अप्रकाषित स्त्रोतों यथा जनगणना पुस्तिका, जिला सांख्यिकी पुस्तिका, आदिवासी उपयोजना कार्यालय तथा जनजाति विभाग म.प्र. सरकार द्वारा प्रकाषित विभिन्न वार्षिक प्रतिवेदन एवं रिपोर्ट से प्राप्त किए गए।

प्रतिचयन विधि :–

सर्वेक्षण हेतु धार जिले की सभी 7 तहसीलों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण के लिए विभिन्न क्षेत्रों से उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं को शामिल किया गया। प्रत्येक तहसील से 5 जनजातीय महिलाओं का चयन किया गया, जिनकी उम्र 16–50 वर्ष के बीच हो। इस प्रकार कुल 105 उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया।

सामाजिक परिवर्तन के कारक

तालिका – 1

तहसील	खान–पान	पहनावा	भाषा	षिक्षा	निजी संपत्ति	अन्य समुदाय से अच्छे संबंध
धार	66.67%	66.67%	66.67%	100%	13.33%	13.33%
बदनावर	26.67%	0%	73.33%	80%	6.67%	73.33%
सरदारपुर	40%	60%	100%	53.33%	46.67%	40%
गंधवानी	20%	6.67%	33.33%	53.33%	20%	6.67%
कुक्षी	0%	46.67%	0%	46.67%	0%	73.33%
मनावर	13.33%	40%	0%	40%	6.67%	73.33%
धरमपुरी	60%	40%	100%	66.67%	6.67%	40%
धार जिले का कुल प्रतिषत	**32.38%**	**37.14%**	**53.33%**	**48.57%**	**14.28%**	**47.71%**

स्त्रोत – फील्ड सर्वे

उपरोक्त तालिका–1 से स्पष्ट है कि उत्प्रवास से जनजातीय महिलाओं के खान–पान में आए परिवर्तन का सर्वाधिक 66.67% तहसील धार में दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम 13.33% मनावर तहसील में दर्ज किया गया। कुक्षी में यह शून्य प्रतिषत दर्ज किया गया।

धार 66.67% > धरमपुरी 60% > सरदारपुर 40% > बदनावर 26.67% > गंधवानी 20% > मनावर 13.33% > कुक्षी 0%

पुनः उत्प्रवास से जनजातीय महिलाओं के पहनवो में आए परिवर्तन का 66.67% धार तहसील में और न्यूनतम 6.67% गंधवानी में दर्ज किया गया। बदनावर में यह शून्य प्रतिषत रहा।

धार 66.67% > सरदारपुर 60% > कुक्षी 46.67% > मनावर 40% ≥ धरमपुरी 40% > गंधवानी 6.67% > बदनावर 0%

उत्प्रवास से जनजातीय महिलाओं में अन्य स्थानीय लोगों की भाषा को सीखने एवं प्रयोग करने में आए परिवर्तन का सर्वाधिक 100% सरदारपुर एवं धरमपुरी तथा न्यूनतम 33.33% गंधवानी में दर्ज किया गया। कुक्षी एवं मनावर में यह शून्य प्रतिषत रहा ।

सरदारपुर 100% > धरमपुरी 100% > बदनावर 73.33% > धार 66.67% > गंधवानी 33.33% > कुक्षी 0% ≥ मनावर 0%

उत्प्रवास से अर्जित आर्थिक आत्मनिर्भरता के कारण जनजातीय महिलाओं में मकान का निजी स्वामित्व का सर्वाधिक 46.67% सरदारपुर तहसील में एवं न्यूनतम 6.67% क्रमषः बदनावर, मनावर एवं धरमपुरी में दर्ज किया गया। कुक्षी में यह शून्य प्रतिषत रहा।

सरदारपुर 46.67% > गंधवानी 20% > धार 13.33% > बदनावर 6.67% ≥ मनावर 6.67% ≥ धरमपुरी 6.67% > कुक्षी 0%

उत्प्रवासित महिलाओं की साक्षरता का सर्वाधिक 100% तहसील धार एवं न्यूनतम 40% मनावर में दर्ज किया गया।

धार 100% > बदनावर 80% > धरमपुरी 66.67% > सरदारपुर 53.33% ≥ गंधवानी 53.33% > कुक्षी 46.67% > मनावर 40%

उत्प्रवास के स्थान पर अन्य समुदायों से अच्छे संबंधों का सर्वाधिक 73.33% बदनावर, मनावर और कुक्षी में तथा न्यूनतम 6.67% गंधवानी में दर्ज किया गया।

बदनावर 73.33% ≥ मनावर 73.33% ≥ कुक्षी 73.33% > सरदारपुर 40% ≥ धरमपुरी 40% > धार 13.33% > गंधवानी 6.67%

तालिका – 1 (A) धार जिला में सामाजिक परिवर्तन के कारकों की स्थिति

कारक	परिवर्तन का %
स्थानीय भाषा	53.33%
षिक्षा	48.57%
अन्य समुदाय से संबंध	47.71%
पहनावा	37.14%
खान–पान	32.38%
मकान का स्वामित्व	14.28%

स्त्रोत – फील्ड सर्वे

उपरोक्त तालिका–1(A) के अनुसार धार जिले के स्तर पर सामाजिक परिवर्तन के कारकों के संदर्भ में जनजातीय महिलाओं में सर्वाधिक परिवर्तन स्थानीय भाषा में 53.33% तथा न्यूनतम 14.28% मकान के निजी स्वामित्व में दर्ज किया गया।

आर्थिक परिवर्तन के कारक
तालिका – 2

तहसील	रोजगार		आय		बैंक में खाता	बैंक में बचत
	दीर्घकालिक	अल्पकालिक	नियमित	अनियमित		
धार	66.67%	33.33%	73.33%	26.67%	33.33%	33.33%
बदनावर	26.67%	73.33%	26.67%	73.33%	33.33%	33.33%
सरदारपुर	60%	40%	60%	40%	80%	40%
गंधवानी	53.33%	46.67%	53.33%	46.67%	53.33%	26.67%
कुक्षी	20%	80%	26.67%	73.33%	46.67%	20%
मनावर	26.67%	73.33%	26.67%	73.33%	40%	26.67%
धरमपुरी	40%	60%	33.33%	66.67%	53.33%	40%
धार जिले का कुल प्रतिषत	**41.90%**	**58.10%**	**42.85%**	**57.124%**	**48.57%**	**31.42%**

स्त्रोत – फील्ड सर्वे

तालिका–2 से स्पष्ट है कि जनजातीय महिलाओं में उत्प्रवास के कारण आए आर्थिक परिवर्तनों में दीर्घकालिक रोजगार में सर्वाधिक 66.67% तहसील धार में तथा न्यूनतम 20% कुक्षी में दर्ज किया गया।

धार 66.67% > सरदारपुर 60% > गंधवानी 53.33% > धरमपुरी 40% > बदनावर 26.67% > मनावर 26.67% > कुक्षी 20%

पुनः अल्पकालिक रोजगार में संलग्न जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक 80% कुक्षी तहसील में तथा न्यूनतम 33.33% तहसील धार में दर्ज किया गया।

कुक्षी 80% > बदनावर 73.33% ≥ मनावर 73.33% > धरमपुरी 60% > गंधवानी 46.67% > सरदारपुर 40% > धार 33.33%

उत्प्रवासित जनजातीय महिलाओं का बैंक में खाता होने का सर्वाधिक 80% सरदारपुर तहसील में तथा न्यूनतम 33.33% धार और बदनावर तहसील में दर्ज किया गया।

सरदारपुर 80% > गंधवानी 53.33% ≥ धरमपुरी 53.33% > कुक्षी 46.67% > मनावर 40% > धार 33.33% ≥ बदनावर 33.33%

उत्प्रवास से प्राप्त आय का कुछ हिस्सा बचत के रूप जमा कर पाने का सर्वाधिक 40% धरमपुरी और सरदारपुर में तथा न्यूनतम 20% कुक्षी में दर्ज किया गया।

सरदारपुर 40% ≥ धरमपुरी 40% > धार 33.33% ≥ बदनावर 33.33% > मनावर 26.67% ≥ गंधवानी 26.67% > कुक्षी 20%

नियमित आय स्त्रोतों में संलग्न उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक 73.33% तहसील धार में तथा न्यूनतम 26.67% बदनावर, कुक्षी और मनावर में दर्ज किया गया।

धार 73.33% > सरदारपुर 60% > गंधवानी 53.33% > धरमपुरी 33.33% > बदनावर 26.67% ≥ कुक्षी 26.67% ≥ मनावर 26.67%

जबकि अनियमित आय स्त्रोतों में संलग्न उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक 73.33% बदनावर, कुक्षी और मनावर में तथा न्यूनतम 26.67% धार तहसील में दर्ज किया गया।

बदनावर 73.33% ≥ कुक्षी 73.33% ≥ मनावर 73.33% > धरमपुरी 66.67% > गंधवानी 46.67% > सरदारपुर 40% > धार 26.67%

तालिका – 2 (A) धार जिले में आर्थिक परिवर्तन के कारकों की स्थिति

कारक	परिवर्तन का %
अल्पकालिक रोजगार	58.10%
अनियमित आय	57.10%
बैंक में खाता	48.57%
नियिमत आय	42.85%
दीर्घकालिक रोजगार	41.90%
बचत	31.42%

स्त्रोत – फील्ड सर्वे

धार जिले में आर्थिक कारकों के अंतर्गत अप्रवासी जनजातीय महिलाओं में सर्वाधिक परिवर्तन अल्पकालिक रोजगार में 58.10% तथा न्यूनतम 31.42% बचत मद में दर्ज किया गया।

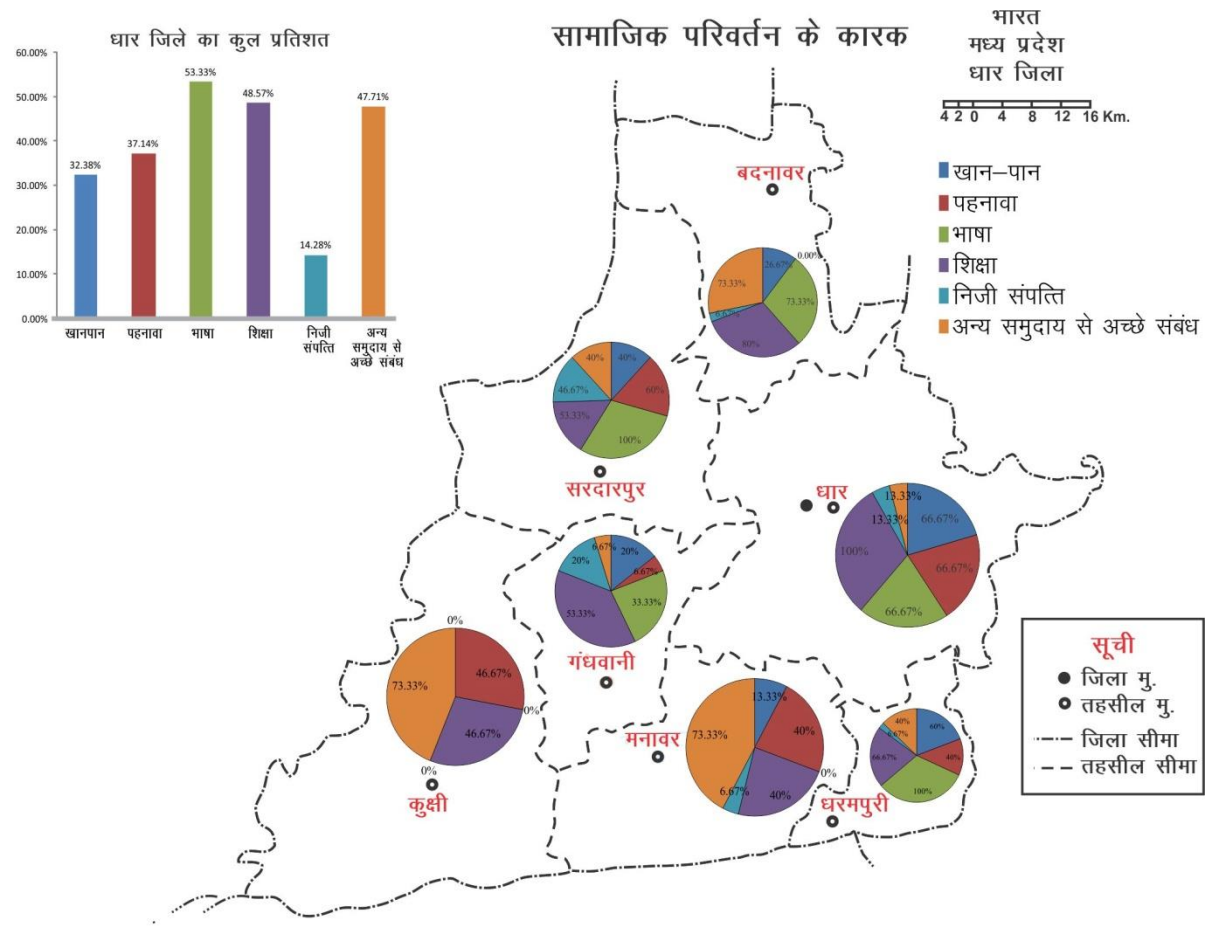

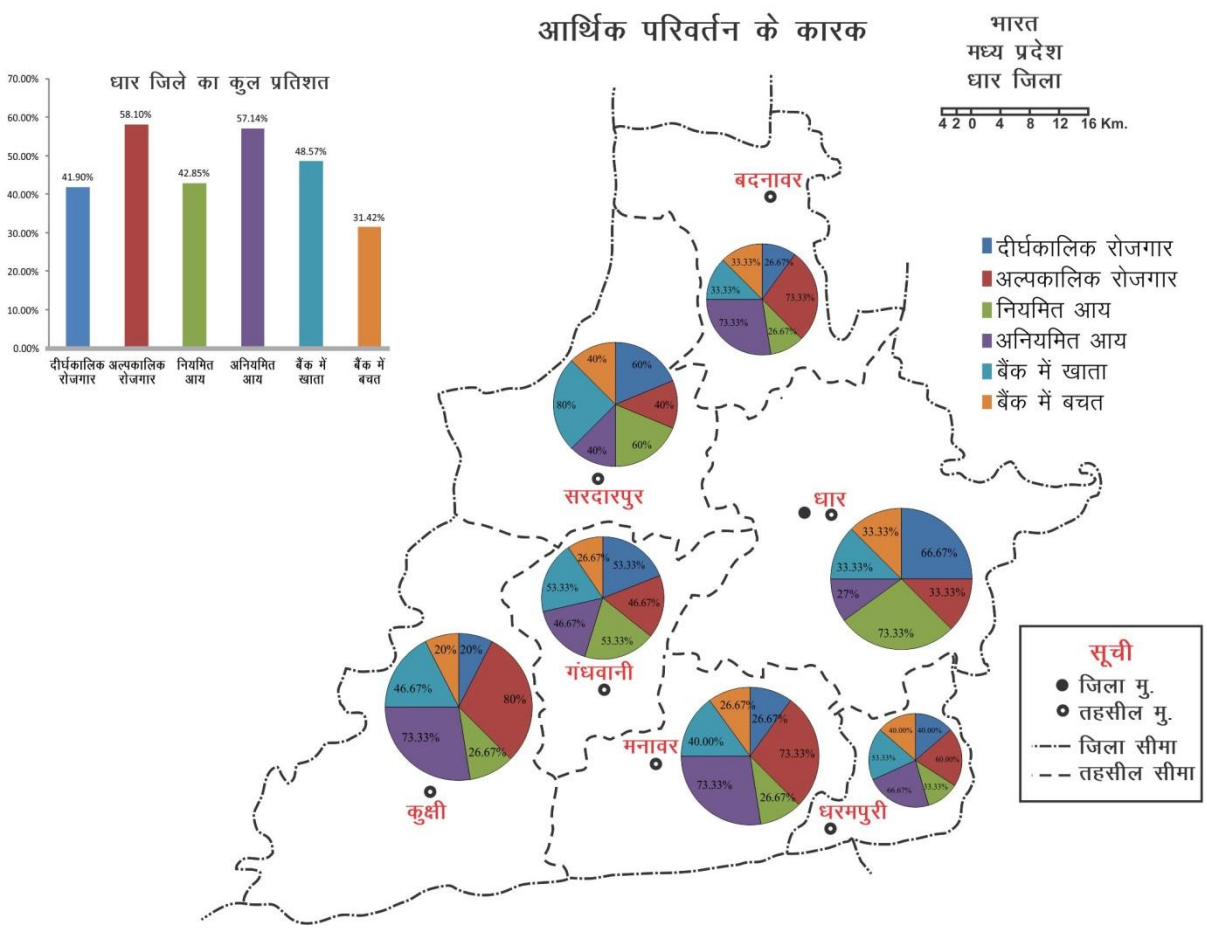

निष्कर्ष :–

1) उत्प्रवास के स्थान पर शहरीकरण का प्रभाव एवं सभी वर्ग के लोगों के संपर्क में आने से उत्प्रवासी महिलाओं द्वारा स्थानीय भाषा के प्रयोग में परिर्वतन का प्रतिषत अधिक है।

2) दूसरा बड़ा परिवर्तन षिक्षा और अन्य समुदायों से अच्छे संबंध का है, जबकि पहनावा और खान–पान में परिवर्तन कम हुआ है।

3) जनजातीय महिलाओं में मकान के मालिकाना हक का कम प्रतिषत एक ओर जहाँ इनकी कमजोर आर्थिक स्थिति को दर्षाता है, वहीं दूसरी और परिवार में पितृसत्तात्मक व्यवस्था की मजबूत स्थिति को दर्षाता है।

4) उत्प्रवास करने वाली जनजातीय महिलाओं का अधिकांष प्रतिषत अल्पकालिक रोजगार में लगा हुआ है जैसे कृषि कार्य, सब्जी बेचना, हाट–बाजार, मेले में दुकाने लगाना, मकान निर्माण मजदूर आदि। इन कार्यों में आय भी कम प्राप्त होती है, अतः अधिकांष जनजातीय महिलाएँ अधिक बचत नहीं कर पाती हैं।

5) दीर्घकालिक रोजगार के अंतर्गत जनजातीय महिलाएँ डॉक्टर, स्टॉफ नर्स, स्कूलों में अध्यापक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि नियमित आय प्राप्ति संबंधित कार्यों में संलग्न पाई गई। तथा आय तुलनात्मक रूप से अधिक होने से इनकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी दर्ज की गई।

6) उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं में बैंक में खाता होने और बचत की प्रवृत्ति में कमी देखी गई।

सुझाव :–

1) उत्प्रवासी जनजातीय महिलाओं को षिक्षा के माध्यम से आर्थिक सषक्तीकरण की ओर अग्रसर करने के लिए जागरूकता लानी चाहिए। इसमें राज्य सरकार के साथ–साथ गैर सरकारी संगठनों को भी प्रयास करने चाहिए।

2) छोटी–छोटी बचतों को बैंको में जमा करना एवं शून्य बैलेंस पर खाता खोलकर बैंकिंग से जोड़ने हेतु जनजातीय महिलाओं को जागरूक करना होगा।

संदर्भ :–

1) **Bhagora, L.R. (1997):** Tribes of Udaipur District : A Geographical Appraisal, Ph.D. thesis, Department of Geography, MLSU, Udaipur.

2) **Singh, R.N. (1989):** Impact of Out-migration on socio-economic condition, Amar Prakashan, New Delhi.

3) **Goyal, R.S. (1990):** Migration and Rural Development in Punjab, Man and development, 12(2), June, 67-77.

4) **Oberoi, A.S. and Singh, H.K.M (1983):** Causes and Consequences of Internal Migration : A study in Indian Punjab, oxford umpires, Bombay.

5) **Prasad, Shushma Shay (1988):** Tribal Woman Labourers : Aspects of Economic and Physical Exploitation, Gyan Publishing house, Delhi.

6) **Raju, B.R.K. (1989):** Development Migration, Concept, New Delhi.

7) **Reddy, D.N. (1989):** Rural Migration Labour in Andhra Pradesh, Report Submitted to the National Commission on Rural Labour, Government of India.

8) **Singh, R.N. (1989):** Impact of out-migration on socio-economic condition, Amar Prakashan, New Delhi.

9) **Joshi, Y.G. (1997):** Tribal Migration, Rawat, New Delhi.

10) **Saxena, R.P. (1997):** Demography of the Bhils of Central India.